

फिल्मी और असल प्यार के बीच लकीर नहीं खींच पाती

दबंग 3 से अपना बॉलिवुड करियर शुरू करने वाली एक्ट्रेस सई मांजरेकर इन दिनों अपनी नई फिल्म औरों में कहां दम था के लिए चर्चा में हैं। जाने-माने निर्देशक महेश मांजरेकर की बेटी सई के मुताबिक, अभी वे अपने करियर के उस स्टेज पर हैं, जहां वह अपनी नींव मजबूत करने में जुटी हुई हैं।

फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी होने के नाते आपने फिल्मी माहौल बचपन से देखा है। इस दुनिया के उतार-चढ़ाव भी देखे हैं। इस अनुभव का आपको अपने करियर में कितना फायदा हुआ?

जैसा आपने कहा, इसकी सबसे अच्छी बात यह रही कि मुझे इस इंडस्ट्री के अच्छे-बुरे सभी पहलू काफी पहले समझ में आ गए। जैसे असफलता है, मुझे वह व्लैरिटी शुरू से रही कि यहां आपकी सफलता और असफलता हर शुरूवार तय होती है। ऐसे में, आप असफलताओं के लिए भी बचपन से तैयार रहते हैं। आपको पता होता है कि यहां केवल ग्लैमर और चमक दमक नहीं है। इसका एक अलग पक्ष भी होता है जिसे अगर आप ये इंडस्ट्री चुनते हो तो आपको एक्सपेक्ट करना पड़ेगा। मुझे यह समझ बचपन से थी और मुझे लगता है कि अच्छा रहा कि मैंने यह बात जल्द ही एक्सेप्ट कर ली।

अपने अभी तक के सफर को कैसे देखती हैं? एक कलाकार के तौर पर खुद को बेहतर करने के लिए क्या कर रही हैं?

कोशिश तो वही जारी है कि खुद को बेहतर बनाऊं, इंसरूव करू। मुझे लगता है कि अभी तो ये मेरी शुरुआत है। मुझे बहुत कुछ

करना है। अभी तो मैं अपनी नींव जमाने की ही कोशिश कर रही हूँ। अभी उस पर कोई इमारत नहीं बनी है, क्योंकि मेरा मानना है कि नींव मजबूत होना सबसे जरूरी है। उसके बाद सही फिल्में, सही कहानी, सही रोल वगैरह चुनने से आगे का रास्ता तय होगा और वही करने में लगी हुई हूँ।

यह फिल्म एक लव स्टोरी है, आपके लिए इस्क के मायने क्या है?

यह जिंदगी के लिए सबसे अहम चीज है। मेरे हिसाब से प्यार के बिना आप एक संपूर्ण जिंदगी नहीं जी सकते, वह प्यार पैरेंट्स, परिवार, पति, वाइफ जिसके लिए भी हो, वो जो अहसास होता है, उसमें जो सुकून और आराम होता है, वह अलग ही होता है। मसलन, जैसे आप बाहर जाते हैं और बीस दिन दाल-चावल नहीं खाते हैं, फिर घर आकर दाल-चावल खाने में वो खुशी मिलती है, वह अहसास अगर आप उस इंसान के साथ महसूस करते हैं तो मेरे हिसाब से वो प्यार है। वैसे, मैंने प्यार के बारे में जो कुछ भी सीखा है, वो फिल्में से ही सीखा है। इस वजह से कई बार ऐसा भी होता है कि मैं दूसरे इंसान से बहुत ज्यादा ही उम्मीद कर लेती हूँ, क्योंकि फिल्मों में आप ये सब रोमांटिक चीजें देखते हैं, जो रियल लाइफ में होता नहीं है। इसलिए, मुझे वो फिल्मी प्यार और रियल लाइफ में वो एक लाइन खींचनी सीखनी है। फिल्म में अजय देवगन और तब्बू जैसे मझे हुए कलाकारों के साथ काम करते हुए क्या कुछ सीखने का मिला?

ये दोनों ऐसे एक्टर्स हैं, जिन्हें काम करते देखकर ही आप बहुत कुछ सीखते हैं। जब वे कैमरे के सामने आते हैं, इतनी आसानी से अपने किरदार को निभाते हैं कि उन्हें देखना बहुत ही इंस्पायरिंग होता है। दुर्भाग्य से हमें शूटिंग के दौरान साथ में बहुत ज्यादा वक्त नहीं मिला लेकिन बाद में प्रमोशन के हमारी जो बातचीत रही, वे दोनों बहुत ही प्यारे हैं। इतनी ऊचाई पर पहुंचने के बाद भी इतने जमीनी हैं और विनम्र हैं जो मेरे लिए बहुत प्रेरणादायी था।



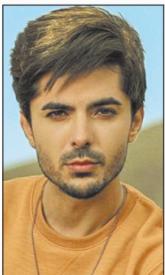
शैतान के सीकल की तैयारी में अजय देवगन, जल्द होगी घोषणा

अजय देवगन और आर माधवन स्टारर शैतान उन चंद बॉलीवुड फिल्मों में से एक थी, जिन्होंने साल की पहली छमाही में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। बता दें कि शैतान 2024 की तीसरी भारतीय फिल्म थी, जिसने फाइट और हनुमान के बाद 100 करोड़ क्लब में एंट्री ली थी। काले जादू पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन विकास बहल ने किया था। यह गुजराती फिल्म वश की ऑफिशियल रीमेक थी। वहीं, फिल्म की रिलीज के बाद से ही इसके सीकल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। अब इन अटकलों पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शैतान के सीकल शैतान 2 की तैयारी शुरू हो चुकी है। फिल्हाल इसकी स्क्रिप्ट पर काम चल

रहा है। यह जानकारी अजय देवगन की दो बैक-टू-बैक रिलीज फिल्मों मैदान और औरों में कहां दम था के खराब प्रदर्शन के बीच आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्क्रिप्ट फाइनल होते ही फिल्म की घोषणा कर दी जाएगी। स्क्रिप्ट के चयन पर फोकस मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शैतान 2 की राइटिंग पर काम शुरू हो चुका है। एक बार स्क्रिप्ट तय हो जाने के बाद, अजय देवगन के साथ निर्माता यह तय करेंगे कि फिल्म कब फ्लोर पर आनी चाहिए। पहला भाग साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक था और इसे काफी सराहा गया था। इसलिए, वे स्पष्ट हैं कि वे स्क्रिप्ट को सही करने के लिए अपना समय लेंगे। उसके बाद ही वे आगे बढ़ेंगे। पिछले कुछ समय से शैतान 2 के बारे में खबरें आ रही हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी तर्क दिया कि फिल्म के पहले भाग का अंत सुपरनेचुरल थ्रिलर की दूसरी किस्त के लिए तैयार है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर इस बारे में बात करते हुए निर्देशक विकास बहल ने कहा, फिल्म की शूटिंग 40 दिनों में पूरी हुई है। हमारे दिमाग में पार्ट 2 भी तैयार है।

क्या टी-सीरीज की फिल्म में नजर आने वाले हैं सना मकबूल और नैजी?

बिग बॉस ओटीटी 3 खत्म हो चुका है। लेकिन, इसके प्रतिभागी खुबू लाइमलाइट में हैं। रैंपर नैजी ने भी इस बार रिलायल्टी शो में हिस्सा लिया। शो के फाइनल मुकामले में भी उन्होंने जगह बनाई। हालांकि, टॉफी पर सना मकबूल का कब्जा रहा। शो में नैजी ने दर्शकों को काफी मनोरंजन किया। दर्शकों को उनका शांत स्वभाव काफी पसंद आया। नैजी अब चाहते हैं कि उनके जीवन पर फिल्म बने।



जताई गली बॉय 2 की इच्छा नैजी का एक वीडियो आज बुधवार को विरल भियानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है। इसमें नैजी से पैपराजी पूछते नजर आ रहे हैं, पहले गली बॉय तो बन गई, लेकिन अब ये वाले स्ट्रगल पर भी एक मूवी बननी चाहिए। इस पर नैजी ने कहा, हा बननी चाहिए। तुम लोग अपील करो पब्लिक से। बॉलीवुड के निर्देशकों से कहो कि नैजी भाई के ऊपर फिल्म बनाओ। बता दें कि फिल्म गली बॉय नैजी के जीवन पर आधारित है। बिग बॉस के घर में रहते हुए नैजी ने भी इस बात का जिक्र किया था। मूवी बनाने वाले कॉन्टैक्ट करें इसके बाद पैपराजी ने पूछा, भाई स्ट्रेस लग रहा है। काम बहुत ज्यादा है? इस पर नैजी ने कहा, काम ही काम है। लेकिन, स्ट्रेस नहीं होता अपने को, काम कितना भी हो अपुन हार्डवर्किंग है। मेहनती है और बहुत फोकस होकर काम करता हूँ। इसके बाद नैजी ने फिर बात दोहराई कि अगर किसी को मूवी बनाना है तो कॉन्टैक्ट करो फटाफट।

बोले- तैयार रहो पब्लिक इसके बाद पैपराजी ने पूछा कि उस दिन टी-सीरीज में आप और सना जी आए थे। तो कुछ कर रहा है क्या टी-सीरीज। इस पर नैजी ने कहा, कुछ होगा धमाका। तैयार रहो पब्लिक। मालूम हो कि हाल ही में सना मकबूल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर देखा गया। फिल्म गली बॉय की बात करें तो यह फिल्म वर्ष 2019 में आई थी। इसका निर्देशन जोया अख्तर ने किया था। फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अहम भूमिका में नजर आए।

मुंज्या की सक्सेस से अभय वर्मा को हुआ फायदा

फिल्म मुंज्या की सक्सेस से एक्टर अभय वर्मा को काफी फायदा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें शाहरुख खान की अगली फिल्म किंग में अहम रोल मिल गया है। इस फिल्म में शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। अभय शाहरुख, सुहाना और अभिषेक बच्चन के साथ एक बेहद अहम रोल में दिखेंगे। सूत्रों के मुताबिक, अभय को मुंज्या में अपने परफॉर्मेंस के लिए काफी सराहना मिली है जिसके बाद उन्हें अच्छे रोल ऑफर किए जा रहे हैं। वो शाहरुख-सुहाना की फिल्म किंग में काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। मुंज्या की बात करें तो ये फिल्म जून में रिलीज हुई थी जिसमें अभय लीड रोल में थे। फिल्म सरप्राइज हिट थी और इसने सौ करोड़ का कलेक्शन किया था। फिल्म किंग के प्रोडक्शन के बारे में बात करें तो फिल्म की स्क्रिप्ट लॉक की जा चुकी है। साथ ही कास्टिंग का काम भी पूरा हो चुका है। मेकर्स ने शूटिंग की लोकेशन इंडिया और विदेश में भी तलाश ली है। पूरी स्टारकास्ट के साथ फिल्म की शूटिंग नवंबर 2024 में शुरू होने की संभावना है। इस फिल्म को शाहरुख अपने बैनर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले प्रोड्यूस भी करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर चल रही इस फिल्म पर शाहरुख ने 200 करोड़ रुपए इन्वेस्ट किए हैं। सुहाना ने पिछले साल नेटपिलक्स पर रिलीज हुई फिल्म द आर्ची से हड़अड डेब्यू किया था। फिल्म में वो वेरोनिका के रोल में नजर आई थीं।

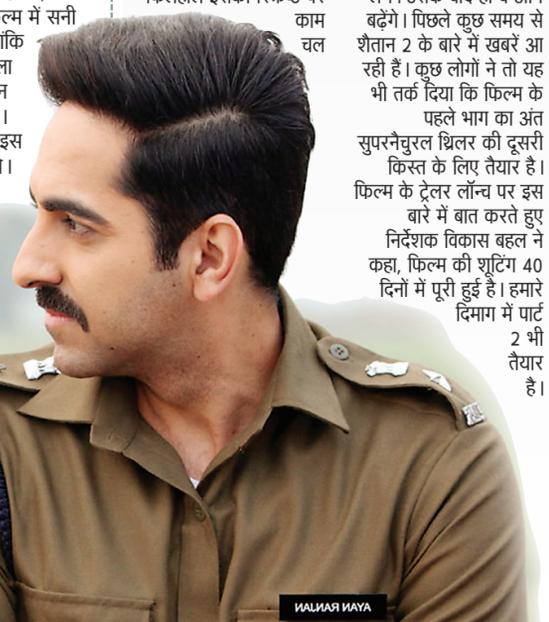


आयुष्मान खुराना ने छोड़ी सनी देओल की बॉर्डर 2, किरदार से नाखुश थे

साल 1997 में रिलीज हुई मल्टीस्टारर फिल्म बॉर्डर एक जबरदस्त हिट रही थी, जिसकी सीकल फिल्म बॉर्डर 2 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस फिल्म में सनी देओल के साथ-साथ आयुष्मान खुराना के होने की भी खबरें थीं, हालांकि ताजा रिपोर्ट्स की माने तो आयुष्मान खुराना ने फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया है। हाल ही में आई मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, आयुष्मान खुराना अब बॉर्डर 2 में सनी देओल के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। फिल्म में आयुष्मान खुराना को आर्मी सोलजर का रोल दिया गया था। इस कोलेबोरेशन से आयुष्मान खुराना और बॉर्डर 2 के मेकर्स बेहद खुश थे। हालांकि समय के साथ आयुष्मान खुराना को सनी देओल के साथ सपोर्टिंग रोल निभाने पर डाउट होने लगा। यही वजह है कि उन्होंने फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया है।

दिलजीत की हो सकती है फिल्म में एंट्री

रिपोर्ट्स ये भी हैं कि आयुष्मान खुराना के फिल्म से जाने के बाद अब उनकी जगह दिलजीत दोसांझ को दी जा सकती है। दिलजीत दोसांझ को फिल्म के मेकर्स की तरफ से ऑफर मिला है। फिल्म बॉर्डर की 27वीं सालगिरह पर जून 2024 में एक्टर सनी देओल ने बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट की थी। पोस्ट में उन्होंने लिखा, एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने आ रहा है फिर से। इंडिया की सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2। सनी देओल ने बताया कि फिल्म को भूष्ण कुमार, कृष्णा कुमार, जे.पी.दत्ता और निधी दत्ता मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि इसे अनुराग सिंह डायरेक्ट करेंगे।



आयरनमैन ट्रायथलॉन के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं सैयामी

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस की तैयारी में जुटी हुई हैं। अभिनेत्री इस दौड़ में भाग में लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो सितंबर में आयोजित की जाएगी। सैयामी इस रेस में भाग लेने वाली बॉलीवुड की पहली अभिनेत्री हैं। मगर सैयामी को इस बात की उम्मीद है कि इसमें भाग लेने वाली वो आखिरी एक्ट्रेस नहीं होगी।

आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस को दुनिया की सबसे कठिन ट्रायथलॉन में से एक माना जाता है। इसमें स्विमिंग, साइकिल चलाना और दौड़ना एक के बाद एक

चलाने में एक्सिडेंट हो गया था। इसके बाद लगभग आठ महीने तक मैंने कुछ भी नहीं किया। क्योंकि मैं मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थी। इस साल फरवरी में मैंने रेस के लिए ट्रेनिंग ली। यह छह महीने की बहुत ही कठिन ट्रेनिंग थी। मैं सच में बहुत मेहनत कर रही हूँ, क्योंकि मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही हूँ। मैं हर दिन दो घंटे ट्रेनिंग लेती हूँ। छुट्टी के दिनों में पांच-छह घंटे की ट्रेनिंग लेती हूँ। मगर मैं इससे बिजकुल भी परेशान नहीं हुई। अभिनेत्री ने कहा, इस दौड़ के लिए आपको मानसिक रूप से बेहद मजबूत होना पड़ता है क्योंकि आपको दौड़ के दौरान संगीत सुनने की अनुमति नहीं होती है। आपको खुद के साथ आठ घंटे बिताने की जरूरत होती है। आज जब खुद के साथ इतना समय बिताते हैं तो आपके मन में कई तरह के विचार आते हैं। मेरे लिए, यह न केवल मेरी शारीरिक क्षमता, बल्कि मेरी मानसिक शक्ति का भी परीक्षण है। मैं ऐसा इसलिए कर रही हूँ, ताकि मैं अपनी सीमाओं को पार कर सकूँ और जब आपको लगे कि आप कुछ हासिल नहीं कर सकते हैं। तो ये छोटी-छोटी जीत हासिल कर सकूँ।

मेरे मम्मी-पापा ने मेरी पहली सैलरी को फेम कराया हुआ है

एक्ट्रेस शरवरी वाघ की बॉक्स ऑफिस पर हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या को जबरदस्त रिसाँस मिला है। फिल्म 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई, उन्होंने फिल्म में बेला का किरदार अदा कर फैंस का दिल जीता। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उनके माता-पिता ने उनकी पहली तनखाह को फेम में सजाया हुआ है। शरवरी ने आईएमडीबी से बात करते हुए कहा, जब मैं असिस्टेंट डायरेक्टर थी, तो मुझे अपनी पहली सैलरी मिली, और मेरे माता-पिता ने उस सैलरी को फेम करवाया था और उसके नीचे एक बहुत प्यारा नोट लिखा था। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरी सबसे बेशकीमती संपत्ति है। उन्होंने कहा, आम तौर पर मेरी पसंदीदा छुट्टी गणेश चतुर्थी है। मुझे अपने पैतृक स्थान मोरगाँव जाना बहुत पसंद है। यह मेरे काम से मिलने वाला सबसे अच्छा समय है और मुझे वह जगह बहुत पसंद है। हर साल मैं गणेश चतुर्थी के दौरान समय निकालती हूँ और अपने पैतृक स्थान जाती हूँ। वह मेरी अब तक की सबसे अच्छी छुट्टी होती है। वहां हमारा एक घर है, जिसे वाडा कहा जाता है और यह 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। उन्होंने बताया कि उन्हें जोधा अकबर बहुत पसंद है और बचपन में वह इस फिल्म की दीवानी थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं इसे कभी भी फिर से देख सकती हूँ। मुझे इसके डायलॉग याद हैं, मुझे कॉस्ट्यूम और जोधा अकबर के सेट पर मौजूद सभी लोग बहुत पसंद हैं। ऐश्वर्या राय मम का किरदार मेरा पसंदीदा रोल है।



पेरिस ओलंपिक 2024

भारतीय पहलवान रितिका 76 किलोग्राम वर्ग के कार्टरफाइनल में



पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 की कुश्ती स्पर्धा में भारतीय पहलवान ने अपना पहला मुकाबला जीत लिया है। भारत के लिए 76 किलोग्राम वर्ग में रितिका हिस्सा लड़ रही हैं। उन्होंने हंगरी की बर्नाडेट नैगी को 12-2 को हराकर कार्टरफाइनल में जगह बना ली है। इस भाग्य में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली देश की पहली पहलवान 21 साल की रितिका ने शुरुआती मुकाबले को 12-2 से तकनीकी श्रेष्ठता से अपने नाम की। रितिका पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी लेकिन उन्होंने दूसरे पीरियड में शानदार प्रदर्शन कर हंगरी की पहलवान को ज्यादा मौके नहीं दिए। अब उनका आगामी मुकाबला किर्गिस्तान की मेडेटे काइजी एह्पेरी से होगा।

घर में अकेली खाती है चिकन

रितिका ने एक इंटरव्यू के दौरान वजन में बने रहने के लिए किए गए संघर्ष की कहानी भी बताई थी। उन्होंने कहा कि पहले 72 किग्रा भार वर्ग में वजन बनाए रखने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ा। 2023 की दूसरी छमाही में उनका वजन 76 किग्रा हो गया था। मैं बस खाती थी, ट्रेनिंग लेती थी। खाती थी। ट्रेनिंग लेती थी। बस इसे ही दोहराती थी। फिर मैंने प्रोटीन के लिए चिकन खाना शुरू करना पड़ा। मेरी मां ने चिकन को अलग अलग तरीके से पकाया। अब मैं सेमी-ग्रेवी चिकन खाना खाती हूँ। मेरे परिवार में और कोई भी चिकन नहीं खाता।

यह उपलब्धि

- पहली बार ओलंपिक में गई। महिला हेवीवेट वर्ग में क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय पहलवान हैं।
- अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप 2023 में कैनेडी ब्लेड्स (यूएसए) पर अपनी जीत के साथ, वह आयु स्तर पर भारत की पहली महिला विश्व चैंपियन (76 किग्रा) बन गईं।
- 72 किग्रा भार वर्ग में 2023 एशियाई कांस्य पदक विजेता।

पेरिस ओलंपिक में हुए भारत के 6 पदक

पेरिस ओलंपिक में भारत के नाम पर अभी छह पदक हो चुके हैं। सबसे पहले निशानेबाजी में मनु भाकर (10 मीटर एयर पिस्टल), मनु भारत और सरबजित सिंह (10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम), स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस) और भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीते। इसके बाद स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने रजत पदक हासिल किया है। शुरुवार रात अमन सेहरावत ने भी कुश्ती में ब्रॉन्ज जीतकर इस संख्या को छह कर दिया।

देश लौटे हमारे हॉकी सितारों का ढोल नगाड़ों के साथ हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत

कप्तान हरमनप्रीत सिंह बोले- मजा आ गया



हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। हम हर बार पदक जीतकर लौटने की कोशिश करेंगे। हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक में सर्वाधिक 10 गोल दोगे। उन्होंने कहा कि इस स्वागत से टीम अभिभूत है। उन्होंने कहा कि यह देखकर

बहुत अच्छा लगा कि भारतीय प्रशंसक हमारे स्वागत के लिए यहां आए। टीम ने ओलंपिक की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ी थी और यह देखकर खुशी हुई कि हमारी मेहनत रंग लाई और हमारी जीत का जश्न पूरा देश मना रहा है।

पेरिस ओलंपिक में सिल्वर जीतकर बोले नीरज चोपड़ा

अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूं

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। नीरज ने पुरुषों के भाला फेंक फाइनल के बाद कहा, 'यह एक अच्छा श्रो था लेकिन मैं आज अपने प्रदर्शन से उतना खुश नहीं हूँ। मेरी तकनीक और रनवे उतना अच्छा नहीं था। केवल एक श्रो (मैं कामयाब रहा) बाकी मैंने फाउल कर दिए। दूसरे श्रो के लिए मुझे खुद पर विश्वास था कि मैं भी इतनी दूर तक श्रो कर सकता हूँ। लेकिन यह इतना अच्छा नहीं रहा। उन्होंने कहा, 'पिछले दो या तीन साल मेरे लिए इतने अच्छे नहीं थे। मैं हमेशा चोटिल रहा हूँ। मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की लेकिन मुझे अपनी चोट से दूर रहने और तकनीक पर काम करना होगा। उल्लेखनीय है कि भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को 89.45 मीटर प्रयास के साथ पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता। यह उनके करियर का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ श्रो था। चोपड़ा को पहली बार किसी सैनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पाकिस्तान के अरशद नदीम ने पीछे कर दिया।

4.5 किलो ओवरवेट थे अमन सहरावत, रातभर खून पसीना एक कर देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया

विनेश की तरह वजन कंट्रोलर्स में फंसने वाले थे

पेरिस (एजेंसी)। कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है और पेरिस ओलंपिक में भारत को कुश्ती का कांस्य पदक दिलाने वाले अमन सेहरावत को 4.6 किलो वजन खोना पड़ा। सेमीफाइनल में जापान के रेड हिगुची से हारने के बाद अमन का वजन 61.5 किलो तक पहुंच गया था जबकि वह 57 किलोग्राम वर्ग में चुनौती दे रहे थे। अब कांस्य पदक के प्लेआफ के लिए मैट पर उतरने से पहले उनके सामने वजन कम करने की चुनौती थी।



अमन ने 4.6 किलो वजन कम किया

ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाले भारत के सबसे युवा खिलाड़ी अमन ने 10 घंटे के भीतर 4.6 किलो वजन कम किया क्योंकि उन्हें 57 किलोवर्ग के मुकाबले में उतरना था। दूसरे दिन सुबह वजन किया गया तो कोच जगमंदर सिंह और वीरेंद्र देहिया ने राहत की सांस ली क्योंकि अमन का वजन निर्धारित सीमा के भीतर आया। कुछ दिन पहले ही विनेश फोगाट 100 ग्राम वजन अधिक पाए जाने के कारण फाइनल से अयोग्य करार दी गई थी।

सारी रात की कसरत, 5 सोना बाथ सत्र लिए - अमन ने 'मिशन' की शुरुआत डेढ़ घंटे अपने 2 सैनियर कोचों के साथ मैट पर अभ्यास करने के साथ की। इसके बाद एक घंटा गर्म पानी से स्नान किया। चूकि पसीने से भी वजन कम होता है तो आधा घंटे के ब्रेक के बाद 5-5 मिनट के 5 'सोना बाथ' सत्र हुए। आखिरी सत्र के बाद अमन का वजन 900 ग्राम अधिक था तो उनकी मालिश की गई और कोचों ने उसे हल्की जाँगींग करने के लिए कहा। इसके बाद 15 मिनट दौड़

अपने माता-पिता को खो दिया था। इसके बाद उनके दादा ने उन्हें पाला। अमन की एक छोटी बहन भी है, जो पहलवानी करती है। पहलवान सुशील को अमन अपने बचपन का हीरो मानते हैं। जीत के बाद अमन सेहरावत ने कहा कि मैं इस

मेडल को अपने माता पिता और देशवासियों को समर्पित करना चाहता हूँ। मेरी नजर मेडल पर थी। मैं इस मैच में यह सोचकर उतरा था कि शुरू से विपक्षी पर दबाव बनाना है और उसपर मैं कामयाब हुआ।

भारत के सबसे युवा मैडलिस्ट

अमन सेहरावत देश के सबसे युवा मैडलिस्ट है। उनकी उम्र 21 साल और 24 दिन है। ऐसा कर उन्होंने 2016 ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली पी.वी. सिंधु (21 साल, एक महीने और 14 दिन) को पीछे छोड़ दिया।

कुश्ती में मिला 8वां पदक

कुश्ती में यह ओलंपिक में भारत का 8वां पदक था। सुशील कुमार और रवि कुमार देहिया ने क्रमशः लंदन 2012 और टोक्यो 2020 में रजत पदक जीते थे। बाकी छह पहलवान कांस्य जीतने में सफल रहे हैं।

अमन के मुकाबले

- 10-0 बनाम व्लादिमीर इंगोरोव, मेसीडोनियन (जीत)
- 12-0 बनाम जैलमखान अबकारोव, रूसी-अल्बानियाई (जीत)
- 0-10 बनाम हिगुची, जापान (सेमीफाइनल में हार)
- 13-5 बनाम वरुज डेरियन टोई, प्यूर्तो रिको (ब्रॉन्ज मेडल जीत)

उनकी लगन और दृढ़ता साफ तौर पर दिखाई देती है: पीएम मोदी

पी.एम. नरेंद्र मोदी ने अमन के मेडल जीतने पर कहा कि हमारे पहलवानों की बदौलत हमें और भी गर्व हुआ। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के लिए अमन सेहरावत को बधाई। उनकी लगन और दृढ़ता साफ तौर पर दिखाई देती है। पूरा देश इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मना रहा है।

कुश्ती में मिला 8वां पदक

- कुश्ती में यह ओलंपिक में भारत का 8वां पदक था। सुशील कुमार और रवि कुमार देहिया ने क्रमशः लंदन 2012 और टोक्यो 2020 में रजत पदक जीते थे। बाकी छह पहलवान कांस्य जीतने में सफल रहे हैं।

विनेश फोगाट के मैडल पर कैस की सुनवाई पूरी, आईओए को उम्मीद पॉजीटिव रिजल्ट आएगा

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक फाइनल से अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की खेल पंचाट (कैस) के तदर्थ प्रभाग में अपील की सुनवाई यहाँ पूरी हो गई और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा कि उसे सकारात्मक समाधान की उम्मीद है। खेलों के दौरान विवाद समाधान के लिए विशेष रूप से स्थापित कैस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश की अपील स्वीकार ली। विनेश ने स्वर्ण विजेता सारा एन हिट्टेब्रॉन्ट के खिलाफ फाइनल की सुबह 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराकर बाहर किए जाने के खिलाफ अपील की थी।



आईओए ने एक बयान में कहा कि

भारतीय ओलंपिक संघ को उम्मीद है कि पहलवान विनेश फोगाट द्वारा खेल पंचाट (कैस) के तदर्थ प्रभाग के समक्ष उनके वजन में विफलता के खिलाफ दायर आवेदन का सकारात्मक समाधान होगा। विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युझेलिस गुजमान लोपेज उतरीं, जो सेमीफाइनल में उनसे हार गई थीं। भारतीय पहलवान ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिये जाने की मांग की है क्योंकि मंगलवार को अपने मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित सीमा के अंदर था। देश लौटी विनेश, किसी से बात नहीं की - हाथ से मेडल निकल जाने से

निराश विनेश देश लौट आई हैं। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर लोग मौजूद थे लेकिन विनेश ने किसी से बात नहीं की। विनेश संन्यास ले चुकी है जबकि उनके ताया महावीर फोगाट उनसे बातचीत का भरपूर दावा करते हैं। उम्मीद है कि आगामी दिनों में इस पर खबर सामने आएगी कि विनेश संन्यास से वापसी आएगी या नहीं। क्या है कैस - कोर्ट ऑफ अबिट्रिशन फॉर स्पोर्ट्स यानी कैस दुनिया भर में खेलों के लिए बनाई गई एक ऑर्गेनाइजेशन है। इसका काम खेल से जुड़े कानूनी विवादों का खस करना है। इसकी स्थापना साल 1984 में हुई थी।

ओलंपिक में गोल्ड जीतकर अरशद नदीम हुए मालामान

पाकिस्तान सरकार ने 10 करोड़ के इनाम की घोषणा की

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पेरिस में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के लिए 10 करोड़ (पाकिस्तानी) रुपये की नकद पुरस्कार की घोषणा की है। नदीम को हालांकि कुछ महीने पहले ओलंपिक के लिए नया भाला खरीदने के लिए 'क्राउड फंडिंग' (बड़ी संख्या में लोगों से धन जुटाना) की मदद लेनी पड़ी थी। मरियम ने यह भी कहा कि इस खिलाड़ी के नाम पर उनके गृहमंत्रालय ने एक स्पोर्ट्स सिटी बनाई जाएगी। नदीम को संसाधनों और सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान में इस तरह की समस्या का सामना लगभग सभी गैर-क्रिकेट खिलाड़ियों को करना पड़ता है। राष्ट्रमंडल खेलों (2022) में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप (2023) में रजत पदक जीतने के बाद भी



उम्मीद जताई कि यह ओलंपिक स्वर्ण पदक अब ग्रामीण क्षेत्र में खिलाड़ियों के लिए एक खेल अकादमी बनाने के उसके प्रयास में मदद करेगा। पाकिस्तान में कई वर्षों तक राष्ट्रीय एथलेटिक्स निकाय का नेतृत्व करने वाले जनरल (रिटायर) मुहम्मद अकरम साही को भरपूर है कि अरशद की उपलब्धि से देश में एथलेटिक्स की लोकप्रियता में इजाफा होगा।

मैगनस कार्लसन ने स्पीड चैस 2024 सेमीफाइनल में किया प्रवेश, भारत के अर्जुन को हराया



नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले एक सप्ताह के दौरान विश्व टीम रैंपिड और ब्लिट्ज़ में भारत के अर्जुन एरिगोसी और पूर्व विश्व चैंपियन और नॉर्वे के मैगनस कार्लसन के बीच तीन ऑन द बोर्ड मुकाबले खेले गए जिसमें कार्लसन ने दो और अर्जुन ने एक मुकाबला जीता था और अब कल रात दोनों के बीच स्पीड चैस 2024 के पेरिस में होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑनलाइन 21 मुकाबले खेले गए जिसमें कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगोसी को 12-9 के स्कोर से हराया। अब कार्लसन का सामना सेमीफाइनल में यूएसए के नीमन हंस नीमन से होगा। यह दोनों के बीच 2022 के बाद पहली बार आमने-सामने की भिड़त होगी, हालांकि पेरिस पर होने वाला यह मैच शतरंज बोर्ड पर नहीं, बल्कि कंप्यूटर पर खेला जाएगा।

पेरिस ओलंपिक में खड़ा हुआ नया विवाद, मेडल की क्वालिटी पर एथलीट ने उठाए सवाल

● दो एथलीटों ने मेडल की क्वालिटी पर उठाए सवाल ● मेडल के रंग जाने की फोटो भी शेयर कर दी

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। खिलाड़ियों को दिए जा रहे मेडल अपना रंग गंवा रहे हैं। ब्रिटेन की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता यास्मीन हार्पर ने दावा किया है कि उनके मेडल ने अपना रंग खोना शुरू कर दिया है। उन्हें यह मेडल महिलाओं की 3 मीटर सिंक्रोनाइज्ड रिमिंगबोर्ड स्पर्धा में मिला था। अमेरिका की स्केटबोर्ड टीम के एक सदस्य ने भी इसी तरह की शिकायत की है। उन्होंने कहा



कि उनके कांस्य पदक का रंग फीका पड़ गया है और पीछे से यह टूट भी गया है। पेरिस ओलंपिक 2024 में एक के बाद

एक विवाद हो रहे हैं। पहले महिला बॉक्सिंग में दो खिलाड़ियों के जेंडर को लेकर विवाद हुआ। अभी विनेश फोगाट के वजन का विवाद चल ही रहा है। पारग्वे की रिवर को ओलंपिक खिलाड़ी से बाहर निकाल दिया गया था। यह ओलंपिक खेलों के लिए एक बड़ा झटका है। मेडल खिलाड़ियों के सालों की मेहनत और समर्पण का प्रतीक होते हैं। ऐसे में घटिया मेडल मिलना निराशाजनक है। यह मुद्दा पेरिस ओलंपिक आयोजकों की

विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाता है। यास्मीन हार्पर ने कहा, यह थोड़ा निराशाजनक है क्योंकि यह सिर्फ एक हफ्ते के लिए चमकदार था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि चूकि यह कांस्य पदक था और इसका अपना महत्व था, इसलिए रंग फीका पड़ने से उन्हें बहुत फर्क नहीं पड़ता। दूसरी ओर, अमेरिकी एथलीट ने कहा कि उनके कांस्य पदक पीछे से टूट गया है और धीरे-धीरे अपना रंग खो रहा है।

11 साल की उम्र में खोए मां-बाप, दादा ने पाला, पहलवान बनाया - देश को छेदा पदक दिलाने वाले

पहलवान अमन सेहरावत का जीवन संघर्ष से भरा रहा है। अमन ने दिल्ली के झरनाल स्टैंडियम में ट्रेनिंग ली है। हरियाणा के इज्जर जिले के बिरौहर गांव में जन्मे अमन जब 11 वर्ष के थे तब उन्होंने

भारत का 8वां पदक

भारत का 8वां पदक था। सुशील कुमार और रवि कुमार देहिया ने क्रमशः लंदन 2012 और टोक्यो 2020 में रजत पदक जीते थे। बाकी छह पहलवान कांस्य जीतने में सफल रहे हैं।

